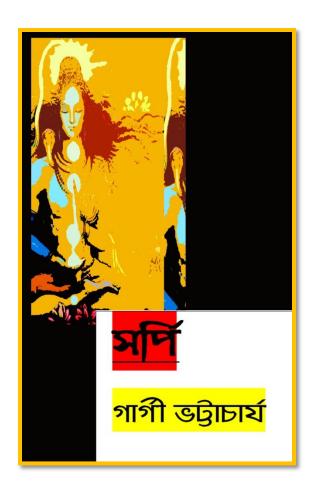
Page **1** of **18** 



# Sarpi GARGI BHATTACHARYA



**COPYRIGHTED MATERIAL** 



\*\*\*

## গাগী ভট্টাচার্য

#### Page 4 of 18

"As the lotus does not touch the water so do not let the world enter your heart.. Being busy in the world is no trouble, unless you are troubled being busy, then the only trouble is the trouble..

Ocean does not complain about the dance of ten million waves!so don't be concerned with the rise and fall of thoughts..

Keeping an old troublesome habit is like keeping poisonous snakes in your arms. Now is the time to hold this snake and throw it out...

Bad moods are either past or imaginary future,

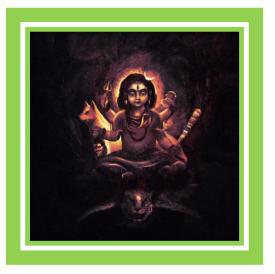
in the Present there are no moods at all.. Moods belong to the circumstance, to the past; face the Sun and there will be no shadow of the moods..

The world is like a tail of dog, it's nature is to curl.

The best you can do is stay Quiet and not let anything bother you.. Visitors will come and go, don't interfere with these waves..

Just be silent.."

- H.W.L. Poonja, - Papaji; The Truth Is



## <u>Batuk Bhairav</u>

Images; Internet, credit goes to them .

আমার মা মহাবিদ্যা ভৈরবী না হলে আমি যখন তাঁর গর্ভে এসেছি তখন থেকেই আমাকে কালা স্কাদু করে করে মারার চেন্টা করছে শন্নুরা। অন্য কেউ হলে আমি মরেই যেতাম।

আমার দেড় বংসর বয়সেগু কঠিন ব্যামো হয় যাতে প্রায় মরেই যাচ্ছিলাম । লাস্ট একটি ইঞ্চেকশান দিয়ে স্কীবিত করা হয় আর এটাগু হেন্ডি ম্যান্ডিকের জন্য ।

**अथव**े छार्क सप्रक्रिक छल्हि ।

आक्रकान विफ्रत्मत लाक छगवान सालना किन्न अधाल मग्नजालत कार्म कतावात क्रना तीजिसजन आणा गिका नित्स क्राम कताला रग्न आत कताग्न राष्ट्र शिन्छेता । व्हक् विक्रांक छत शिन्मकाल साल के विश्वविष्णानत्स करें कार्म गानू कतात श्रक्षांग्न हिला। कि कदा लाकित क्रिंग कत्र एवं या या विकास क्रिंग क्

ङ्गवात्मत काष्ट्र खळ रत्न कात्ना धर्म वा छक्नक सानळ रत्व असन नग्न । स्राष्ट्रद्धकें यागायाग कद्वा । कन भाव्त ।

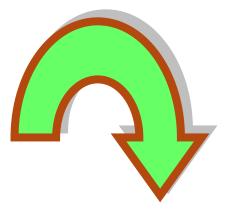
मुत्रनिभग नाकि रक्ष कराळ शिल रेपानिश् मक्का मिनाळ वना रय य एएट किया कारकर १पटक खण्डाणत कराय णारत भयत वात यथन रक्ष कराळ खात्रय ज्थन जूमि खाया भूष रय ३ मिक्षा मरापत भय कराश भ उँगेप रया। अस्त धर्म मास्कर किनित्रणा उँगिया खाककान भे काक्रमके एउ ३ कराश अ कारात्राम भरेत्रय करा करा माक्र थानार करा रय ३ माक्यक खण्डाणत करा ३ णिका निश्रा भरेत्रय करा भरे काश्रमाळ किनित्रणा फीिया करा भरे काश्रमाळ किनित्रणा भरेत्रय करा भरे काश्रमाळ किनित्रणा फीियाक भिया । जारे भवार खाशाळान्ना श्रञ्जालाक स्ट्रास्ट व्यव ३ मिश्राल मिता उँथान स्वव श्रव गांक व्यव्य निर्म संग्रां स्वव्य व्यव्य । कात्मस मात्म स्मात्म स्मानित स्वव्यक्ताति या व्यक्त मित्र व्यात्मितिका वा स्मानास द्वान्य नन गा मित्र प्रतिका वा स्मानास द्वान्य नन गा मित्र प्रतिका व्याप्त ३ देतात्मत वत्रवीय मित्र स्वव्य श्रेष्ठात निर्मूत उँभारत सातात स्वय देतात्मत स्वव्या अत्क व्यव्यक्ष करंगत मासि स्वय । भावनिक यथन क्रिप्त याय यथन व्यात्न क्रिप्त विव्य याक ना । मार् श्रत स्वय खाला नत्त्वम्यक यिन अता गास्ति विव्य मार्थि अस्त स्वय मार्थित स्वयं गार्थित क्रिक्त भावा व्यात्म – त भावा

आजल छगवान/कैयुत्त/आत्वार्/१५ अर्डेमव मक् थुवरें मिक्रमानी। स्थनात ছलि यि अस्क सिमरेठेंक करता छारल मासि পেटा रहा आत छा अवारत एरथा यारव। आत यि छिक्रिस्टर्ज अर्थे नाम न्यत्वप करता छारल छात्र कन सिन्द्व। कम्म व्यवणात साजू सक्ष ३ तम्माणी मिर्ण मासत्तत कम्म (शटक भत्न भत्न १ वात कम्म त्वादान ३ पूनियाटक एम्शिद्धा एम्दान (श्वामत मध्ना कि । व्यामि ३ मात्मार्थमानि या एम्शिद्धा शामाम जा ३ नाता अभिद्धा निद्धा यादान व्याद्धा । ३ नाएमत कम्म स्टत शूव व्यममान पूर्व मभ्माद्धा किम्न ममञ्ज वाशादक व्यक्तिम कद्धा श्वाम ३ मभ्माद्धा किम्न ममञ्ज वाशादक व्यक्तिम कम्मद्दक एम्शाद्धान कि कद्धा स्रात्मावामय्य स्था ३ मायाममण कादक वत्न ।

अनाता द्वेरेन क्रम ७ अनाप्तत द्वेरेन क्रम स्नर्ति गामजित सन्म थिएक एक रहा यात ।

अफिट्न कूट्वराकी व्यासात পछि পर्तास्मयत नकूनट्न छाभ करादान छात एर्स्ट्छाएभत পदा काराप अर्थे नकूट्नत रेटामात क्रना अर्थे क्र् क्रभक्त --भूद्वा व्यनकाभूतीक्त मसमा रदा ह्याट । मुक्का छार्थेदामाल मसमा रक्ष्य । ठारें नकून भरू जिस्म यात । "श्री आधाण्मिक छैन्निण रुश्चा मद्भुश मि निष्म जिस्म यात कात्रम "श्रीत्क यथके छक्च ना मिद्धा मि निष्मत खरू-त्क भूके मिद्धा एलए ३ निष्मत स्मकात कूत्वतकीत्क छक्च ना मिद्धा निष्मत म्हत्क तिम श्राधाना मिद्धा एलए गरें गत भणन रत । किन्न श्री तमम मर्थि त्यरूजू गत छक्च गरें गणें। निष्मभामी रत्वना गत रेंगा।

পাগুয়ারফুল অ্যান্সেসটর নাহলে এরকমই হয়
স্পিরিচুয়াল দুনিয়াতে । যা এখানে দেখা যায়
তা ইলিউশান । আদতে সবই কক্ষোল হয়
স্পিরিচুয়াল রুগৎ থেকেই । বেশি শয়তানি
করলে অ্যান্সেসটরগণ কার্স অবধি করে দিতে
পারেন । কারণ এখানকার কার্জের ফলাফল
তাঁদেরগু বইতে হয় । পুরো কসমস একসাথে
যুক্ত । একই শক্তি বইছে সেখানে ।



**टेतात्वत जाता जर्शा निलाकात्वत फिफि ठ** <u>क्रि</u>श्नात्वत भागकी व्याभात्क व्यावात मिरित कत्रष्ट कानटकत वर्ष्टे वात खात शद्व याद्य আমাকে এখানে সরকার ধরে উগ্রপন্থার निয়মে কারণ আমি আয়াতোল্লার বিরুদ্ধে क्षेत्रत निस्तिष्टि ठाउँ याद्य श्रुता ग्राप्तात्क धदा ঠ্যাঙায় ,আর বলে তুই এসব কোথা থেকে জানলি কিন্তু প্রটা এবার ব্যাকফায়ার করে প্রর **त्वानत्क धत्त ३ता असन सात्रत्व रा श्रृष्टा सा**९ আর সে হাঙ্গাভ ভেঙে পড়ে থাকরে ৪ বেড সোর হয়ে কঙ্কালসার হয়ে যাবে আর এই নিলোফার সেক্স স্লেভ আর রেজা আবিদের সাথে সহবাস করতে প্রায়ই কুইন্সল্যন্ডে যায় সেক্স করাকে বলে রাইডিঃ করা । এরজন্য গু সাবার মতন গহনা নেয়না বরঃ অজি ডলারে काक्षिय द्वारा किन्न अक दिन्धा वर्ष कात घाट कठा साशा त्व? ३वर्डे त्वानिवा कारिसा त्य व्याशाळाच्चात नाकाशिक महान ट्रा व्याहर्काल वर्स वर्स मध्य मध्य मञ्जात वाभी स्वर रा अस्तत सामुकान व्यर्गा स्माल्यसानि यात्क अता वावा माक्तिराष्ट्रिला स्म नाकि अस्तत व्यक्षारा मज्जा मिथिरा भिराष्ट्रिला व्यात निस्कृत नाम व्यवस्थत कत्रस्ज वात्वम कर्तत भिराष्ट्रिला ज्वूअ अस्तत वर्ष्म पिष्टि नाभिम जात नाम स्कुर करत स्मालक्ष्मात्न मांष्ट्र स्टब्स्ट । अस्मव सास्माल साम्माल सामाल साम्माल सामाल सा

যার জন্ম পাপ থেকে গু নিজের জিসম বিক্রি
করে খায় তার মুখে সততার এমন চমংকার
বাণী গু উদাহরণ একমাত্র মুসলিম রেজিমেই
সন্তব। <mark>এদের ধর্মে সবই হারাম অথচ
এরা এক একজন এক একটি
জাজ্বল্যমান হারামি বলাই বাহল্য।</mark>

कत्तव थाभातत्क क्या सित्त क्ललाष्ट किन्न अत है छिया दूँ उपत तम किन्नू माश्वािष्ठक वटम वटम भयागित मिन्न जागाय अ भाषि सिछियाक भतिवण हत्याष्ट । अत अक भावी अक साधािसक क्लात कथा जालाहें निस्थिष्ट व्य मिन्नुएस्त मास्य मिन्नु कर्तत किरिक्व अत भिन्नु मित्तसात स्राप्त क्यां कर्तत किरिक्व अत विद्य छार्क अत्यात्व क्यांन कात्वव अत व्हांस्का स्ट्रिट्ट विचित्र व्यांन नीना विकृण कासनात मिकात याता मिनव सानुस्तत स्ट्र किक् जात्व।

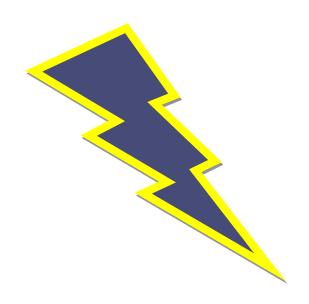
अर्हे छारत हैं कि ता जिशा ता अर्हे सिया छे हात कि हू प्रश्कषीत कता जाक है छिया हूँ छित प्रतिनाम स्टित कातन अता कामा कामू करत करत है छियात निर्छेक रुखा छिट्ट मिट्ट । सराताख़ूँ प्रत छिया तिमि निर्छे क्रियात ति छियामान स्याट प्रत कायगात सत्या कातन अथाति जात अप अप रुख कायगित । कि उप राहे थवत छिट्ट मिया सानुसरक श्रुष्ठ छ्यावरुह्यात मिरक टंगल िरसिष्ट अर्थे मश्ताम मश्स्या यात कना रिखा पूट मस्या मश्स्या तम्र ताण्ठे रस्य यात अतः मस्या प्रस्त ताण्ठे रस्य यात अतः मस्या कार्य कार्या थे वन ति स्थान कार्य कार्या थे वन ति स्थान कार्य कार्य मास्त कार्य कार्य या क्रमध्ताभी एम्थल , भूता मास्य कार्य यात । लाटक एम्थल या अता यिष्ठ वा छात्र थात थात भानिस्य यास ठत्र निर्देशक व्याप्य कार्य निर्देशक व्याप्य कार्य निर्देशक विष्टू रसि असन कि कर्त रस्य ? स्टू निर्देशक राछ कनमाम्रतम ?

আসলে ঈশ্বরের চ্মৎকার !!!

तथलासूथी जन्न मन्नुद्रक श्रातालाङक कदत फिट्ट त्रक्षस । जारे फिर्सिट एत्वजाता निर्धेकटक असन श्रातालाङक कदत फिरस्टिन या दकवल मस्जानएत एएटरे जाघाज रानद्व अञ्चलि जात नितीर, त्रतल सानुष दंव वर्ख शाकद्व ।

### Page **16** of **18**

कात्तप यात क्लंड व्लंड ठात छगवान আছেন। আत निउँक्तत राक् मार्डेक क्लंड थाल क्षे वगमासूथी ठन्न मक्डि मतित्य प्रभुशा रूत कात्तप क्लंड सराङ्गण्ड क्रमान साङ्ग व्याजीज काव्ता किष्टूर आत भार्सालिंड नयु।



## Page **17** of **18**



তারা মহাবিদ্যা

